हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 14 अप्रैल 2026

11 नारनौल वालों ने वृंदावन में तैयार किया श्री गुरुकृपा...

12 कनीना में भी शुरू नहीं हुई सरसों की सरकारी...

खबर संक्षेप

मैजिक गाड़ी ने महिला को मारी टक्कर, मौत

महेंद्रगढ़। गांव मालड़ा बास में सवेरे करीब 6 बजे अपने घर के बाहर झाड़ू लगा रही महिला को एक तेज रफ्तार मैजिक गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतका तीन बच्चों की मां थी। पुलिस को दिए बयान में मालड़ा बास निवासी प्रवीण ने बताया कि उसकी 39 वर्षीय पत्नी मंजू देवी घर के बाहर झाड़ू लगा रही थी। तभी एक मैजिक गाड़ी के ड्राइवर ने तेज गति से वाहन चलाते हुए मंजू देवी को टक्कर मार दी।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

महेंद्रगढ़। ट्रैक्टर की चपेट में आने से गांव झगड़ौली निवासी 43 वर्षीय विक्रम की मौत हो गई। हादसे के वक्त विक्रम अपने घर से खेत की ओर पैदल जा रहा था। यह घटना नांगल हरनाथ मोड़ पर हुई। विक्रम के भाई मोनू ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि गांव नांगल हरनाथ की ओर से एक ट्रैक्टर तेज गति और लापरवाही से आ रहा था।

गुजरवास में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आज

मंडी अटेली। श्रीराम सेवा ट्रस्ट गुजरवास के तत्वावधान में अंबेडकर जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को सेठ रामलाल हवेली, गुजरवास में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का शुभारंभ प्रमुख समाजसेवी विनय अग्रवाल द्वारा किया जाएगा। ट्रस्ट के प्रधान ओपी चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे।

महक होटल में सैन महाराज की जयंती आज

नांगल चौधरी। निजामपुर रोड पर स्थित महक होटल में सैन महाराज का जयंती समारोह प्रधान शेरसिंह की अध्यक्षता में आयोजित होगा। समारोह आयोजित करने के लिए बैजनाथ कंप्लेक्स में समाज की बैठक हुई। जिसमें सर्वसम्मति से समारोह को सफल बनाने की रूपरेखा बनाई गई। इस मौके पर पूर्व प्रधान रजनीश, राजकुमार नायन, सुरेश आंतरी, रामजीलाल, मनोहरलाल, लक्ष्मण, जयसिंह कालबा आदि मौजूद रहे।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती समारोह आज

नांगल चौधरी। पंचायत समिति के प्रांगण में 14 अप्रैल को डॉ भीमराव आंबेडकर जयंती समारोह आयोजित होगा। जिसमें समाज की मेधावी प्रतिभाओं को नकद पुरस्कार तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रधान ईश्वर सिंह करेंगे। दिल्ली पुलिस के क्राइम निरीक्षक सुभाषचंद, कॉलेज के रिटायर्ड प्राचार्य डॉ. शिवताज सिंह, पीएमश्री गर्ल्स स्कूल प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे।

कनीना में आज मनाई जाएगी आंबेडकर जयंती

कनीना। डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती पर 14 अप्रैल को कनीना में समारोह का आयोजन किया जाएगा। समिति के प्रधान कृष्ण कुमार ने बताया कि अंबेडकर चौकक पर सुबह 10 बजे आयोजित होने वाले इस समारोह में मुख्य अतिथि नगर पालिका चेयरपर्सन डॉ. रिंपी यादव लोढ़ा होंगी। अध्यक्षता शेरसिंह फौजी करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि अतरलाल, डॉ. प्रवीण कुमार प्राचार्य व पवन एडवोकेट होंगे।

डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती कल

नारनौल। डॉ. भीमराव आंबेडकर नवयुवक मंडल पटीकरा की ओर से डॉ. आंबेडकर की 135वीं जयंती 15 अप्रैल को पटीकरा गांव में सुबह 10 बजे मनाई जाएगी। संस्था के वरिष्ठ सदस्य भोलाराम व कर्ण चुनवाल ने बताया कि आंबेडकर जयंती समारोह में राज्यसभा सांसद कर्मवीर बौद्ध व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहेंगे।

---

10 मई को चुनाव और 13 को होगी मतगणना

मतदाता सूची का फाइनल प्रकाशन होने के बाद कनीना वासी उपचुनाव के लिए तैयार

- जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से 27 मार्च को की गई थी मतदाता सूची अपडेट

दलीप सिंह ⏭ कनीना

हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी निर्देशानुसार पुनरीक्षण प्राधिकारी कनीना एवं एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी नारनौल को मिले दावे आपत्तियों का बीती 19 मार्च तक निपटारा करने के बाद नगर पालिका के सभी 14 वार्डों की मतदाता का अंतिम प्रकाशन हाल ही में किया गया था। हरियाणा नगर पालिका निर्वाचन नियमावली 1978 के नियम 4 (3) के अनुसार जिला प्रशासन की ओर से निर्धारित किए गए विभिन्न स्थानों पर दावे व आपत्ति मांगे गए थे।

एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि मतदाता सूची जिला उपायुक्त कार्यालय, एसडीएम कार्यालय, नया भवन नगर पालिका कार्यालय व सभी स्थापित मतदाता सूचना एवं संग्रह केंद्रों पर आमजन के अवलोकन के चस्पा की गई थी। सालभर पूर्व सम्पन्न हुए नपा चुनाव के दौरान वार्ड 14 से राजेंद्र सिंह लोढ़ा पार्षद चुने गए थे। जिनका बीते दिसंबर माह में रेवाड़ी के समीप घटित सड़क हादसे में दर्दनाक निधन हो गया था।

वार्ड उपचुनाव को लेकर स्टेट इलेक्शन कमीशन हरियाणा की ओर से बीते समय जारी किए गए नोटिफिकेशन के मुताबिक प्रदेश की नगर पालिका कनीना, टोहाना, झज्जर, राजौंद, तरावडी, साढौरा की फोटोयुक्त मतदाता सूची अपडेट करने का कार्य शुरू किया गया था। 27 मार्च को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया था। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि गांव स्याना, कपूरी, भोजावास, छितरौली व धनौंदा की मतदाता सूची भी तैयार की गई हैं।

10 मई को होगा वार्ड उप चुनाव

हरियाणा राज्य चुनाव आयोग की ओर से सोमवार को प्रदेश के तीन नगर निगम व परिषद पालिका के चुनाव की तारीखों की घोषणा की गई है। राज्य चुनाव आयुक्त दविंदर कल्याण की ओर से पंचकूला, अंबाला, सोनीपत नगर निगम चुनाव के अलावा जिला परिषद व पंचायती राज के उपचुनाव भी इन्ही चुनाव के साथ होंगे। इनके मुताबिक 21 अप्रैल से 25 अप्रैल तक नामांकन पत्र दाखिल होंगे। 27 अप्रैल को छंटनी होगी। 28 अप्रैल को नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे तथा इसी दिन चुनाव चिह्न वितरित किए जाएंगे। 10 मई को मतदान होगा तथा 13 मई को मतगणना की जाएगी।

कनीना नपा में सालभर में बढ़े 322 मतदाता

मार्च 2024 में हुए नपा चुनाव में चेयरमैन पर के लिए पहली बार सीधा चुनाव हुआ था। यह पद सामान्य श्रेणी की महिला के लिए आरक्षित किया गया था। जिसमें 10413 मतदाताओं ने प्रधान तथा पार्षदों का चयन किया था। छह जनवरी 2025 को अंतिम तिथि मानकर तैयार की गई मतदाता सूची के मुताबिक 14 वार्डों में 322 मत बढ़े हैं। विधानसभा चुनाव के समय यहां पर कुल 10413 मतदाता थे, वहीं अब अपडेट की गई मतदाता सूची में 10735 मतदाता दर्ज किए गए है। वार्ड एक में 671, दो में 908, तीन में 885, चार में 675, पांच में 804, छह में 700, सात में 823, आठ में 832, नौ में 748, 10 में 685, वार्ड 11 में 692, 12 में 827, 13 में 815 व वार्ड 14 में 670 मतदाता हैं। सर्वाधिक मतदाता वार्ड दो में 908 व सबसे कम वार्ड 14 में 670 मत हैं।

साढ़े सात साल से अधर में लटका प्रोजेक्ट, दो साल से बंद पड़ा निर्माण

कैलाश नगर 'अटल पार्क' में निर्माण घोटाले की आशंका, सीएम फ्लाइंग ने लिए सैंपल

- निर्माण सामग्री के सैंपल लेकर किए सील, लैब जांच के बाद होगी कार्रवाई
- अधूरे काम और लापरवाही की शिकायत पर हरकत में आई जांच एजेंसी

राजकुमार ⏭ नारनौल

रेवाड़ी रोड पर कैलाश नगर में बनाए जा रहे अटल पार्क को लेकर लंबे समय से चल रही लापरवाही और अनियमितताओं के बीच सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब सीएम फ्लाइंग टीम ने मौके पर छापेमारी कर जांच शुरू कर दी। जांच टीम ने निर्माण कार्य में उपयोग हो रही सामग्री के सैंपल लेकर उन्हें सील कर दिया और आगे की जांच के लिए लैब भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दावा तो इस पार्क को जिले का सबसे खूबसूरत एवं आधुनिक सुविधाओं युक्त बनाने का था, लेकिन इस पार्क की दुर्दशा किसी से छुपी नहीं है। इस पार्क की किसी जागरूक नागरिक द्वारा निर्माण में घटिया सामग्री इस्तेमाल करने एवं पार्क निर्माण आधा-अधूरा ही छोड़ देने की शिकायत की हुई है।

बता दें कि सीएम फ्लाइंग रेवाड़ी की पांच सदस्यीय टीम पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन रेवाड़ी के एसडीओ संजय कुमार के नेतृत्व में रेवाड़ी रोड पर कैलाश नगर में बनाए गए अटल पार्क पहुंची। टीम ने मौके पर मौजूद निर्माण सामग्री की बारीकी से जांच की और सैंपल लेकर उन्हें विधिवत सील किया। अधिकारियों ने बताया कि इन सैंपल की लैब जांच के बाद यदि गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित निर्माण कंपनी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

कैलाश नगर में अटल पार्क का निर्माण करीब साढ़े सात साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की घोषणा के तहत शुरू किया गया था। तब यहां के विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव तथा तत्कालीन नगर परिषद चेयरपर्सन भारती सैनी की ओर से इस पार्क से शहर के सौंदर्यीकरण को चार चांद लगने एवं लोगों को आधुनिक सुविधाओं युक्त पार्क मिलने का दावा किया गया था, लेकिन इसे निर्माण कंपनी या नगर परिषद अधिकारियों की अकर्मण्यता एवं लापरवाही कहें या कुछ ओर, यह पार्क पर आज तक दुर्दशा का ग्रहण लगा हुआ है। शुरुआत से ही यह परियोजना विवादों और अड़चनों में घिरती रही। पहले जमीन को लेकर मामला कोर्ट में चला गया, जिससे निर्माण कार्य लंबे समय तक ठप रहा। तब नारनौल के ही एक काश्तकार ने इस जमीन पर हाईकोर्ट में दावा कर दिया था, मगर नप ने इसे सुलझा लिया। जैसे ही मामला सुलझा और काम शुरू होने की उम्मीद बनी, तभी कोरोना महामारी ने दस्तक दे दी, जिससे कार्य एकबार फिर रुक गया। इस परियोजना का टेंडर आदमपुर दाढ़ी कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड को दिया गया था, जिसके संचालक नवीन मित्तल को निर्माण कार्य पूरा करना था। करीब पांच एकड़ क्षेत्र में लगभग 2.68 करोड़ रुपये की लागत से इस पार्क का निर्माण किया जाना था।

नारनौल। निर्माण करने उपरांत अब ऐसा तैयार है पार्क, सैंपलिंग की कागजी कार्रवाई में जुटे जांच अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। ऐसा बनना था अटल पार्क, तैयार किया गया मॉडल। फोटो : हरिभूमि

अधूरा काम और लापरवाही उजागर

अटल पार्क को आधुनिक सुविधाओं से लैस बनाने की योजना थी। इसमें बड़े जॉगिंग ट्रैक, ओपन जिम, बच्चों के लिए झूले, फव्वारे, हरे-भरे लॉन और विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाने थे, ताकि शहरवासियों को स्वच्छ और सुंदर वातावरण मिल सके, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग नजर आई। मौके पर देखा गया कि पार्क में केवल ग्राउंड और सिविल वर्क का काम ही किया गया है, वह भी अधूरा। जॉगिंग ट्रैक, दीवारें, शौचालय और अन्य निर्माण कार्य अधूरे पड़े हैं। अब पिछले करीब दो वर्षों से निर्माण पूरी तरह बंद पड़ा है, जिसके चलते पार्क परिसर में भारी मात्रा में खरपतवार उग आई है और पूरा क्षेत्र उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस पार्क से उन्हें काफी उम्मीदें थीं, लेकिन लापरवाही और धीमी कार्यप्रणाली के कारण यह परियोजना अधूरी ही पड़ी है।

शिकायत के बाद हरकत में आई सीएम फ्लाइंग

बताया जा रहा है कि किसी जागरूक नागरिक ने इस अधूरे निर्माण और संभावित गड़बड़ियों की शिकायत सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंचाई थी। इसी शिकायत के आधार पर सीएम फ्लाइंग टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान टीम ने नगर परिषद के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया। म्यूनिसिपल इंजीनियर सोहनलाल सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और उनसे विस्तृत पूछताछ की गई। टीम ने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और देरी के कारणों को लेकर सवाल-जवाब किए।

बनना था जिले का सबसे लंबा जॉगिंग पार्क

यह अटल पार्क जिले का सबसे लंबा जॉगिंग ट्रैक बनना था। साथ-साथ ही फव्वारों के लिए पाइप लाइन डाली जानी थी। शौचालय का ढांचा तैयार हो चुका है, फिनिशिंग का कार्य बाकी है। साथ-साथ यहां लॉन तैयार किए जाने थे। सबसे लंबे जॉगिंग ट्रैक के साथ-साथ युवक-युवतियों व बुजुर्गों के लिए ओपन जिम भी बनाई जानी बजट में शामिल थी। कमाल की बात यह है कि यह अटल पार्क शहर ही नहीं, बल्कि जिले का सुंदर व बड़ा पार्क बनना था, लेकिन इसमें उगा खरपतवार इसकी दुखद कहानी खुद ही बयां कर रही है।

यह बोले अधिकारी

जांच अधिकारी हाउसिंग कारपोरेशन रेवाड़ी के एसडीओ संजय कुमार ने बताया कि इस पार्क की शिकायत प्राप्त हुई है, जिसमें विभिन्न आरोप लगाए गए हैं। उसकी जांच करने आए हैं। पार्क का काम पूरा नहीं है। साथ ही उन आरोपों के आधार पर ही सैंपलिंग की गई है। फिलहाल सैंपलों को लैब भेजा जा रहा है और रिपोर्ट आने के बाद ही अगली कार्रवाई तय की जाएगी। यदि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरती है तो संबंधित कंपनी के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इस पार्क के निर्माण में हुई देरी के कारणों का भी पता लगाया जाएगा तथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नारनौल। आग बुझाता दमकल कर्मी। फोटो : हरिभूमि

कोरियावास के ईंधन में लगी आग, फायर ब्रिगेड पहुंची

- 40 घरों के धांसे और लकड़ियां जलकर राख

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गांव कोरियावास में पड़े ईंधन में सोमवार को अचानक आग लग गई। आग के कारण करीब 40 घरों के धांसे व लकड़ियां जलकर राख हो गए। ग्रामीणों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया।

गांव कोरियावास में दादावाला कुआं के पास काफी जगह खाली पड़ी है। इस जगह पर वहां के पास के मोहल्ले के करीब 35-40 लोगों ने सरसों की कटाई के बाद धांसे डाल रखे थे, जिनका प्रयोग वे चूल्हे आग जलाने में करते। आग लगने के बाद धांसे पूरी तरह जल गए। इससे उनको हजारों रुपए का नुकसान हुआ है। ग्रामीण घनश्याम ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है, मगर आग के कारण कई घरों का रखा ईंधन जलकर राख हो गया।

उन्होंने बताया कि इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। ग्रामीणों ने अपने लेवल पर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। ग्रामीणों के अनुसार आग लगने के कारण राजकुमार, महावीर, सूबे सिंह, श्रीपाल, राजेश, उगनता, बुधराम तथा कृष्ण के अलावा अन्य कई लोगों का रखा इंधन जल गया। इससे ग्रामीणों को काफी नुकसान हुआ है। फायर ब्रिगेड के कर्मी हड़ताल पर होने के कारण रोडवेज से ड्राइवर व अन्य स्टाफ को गांव में लगी आग बुझाने के लिए भेजा गया, जिन्होंने आग पर काबू पाया।

कब्रिस्तान की जमीन पर सड़क बनाने का विरोध

- समुदाय ने डीसी को सौंपा ज्ञापन और कार्रवाई की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नांगल चौधरी कस्बे में कब्रिस्तान की जमीन पर सड़क बनाने के प्रस्ताव को लेकर विवाद गहरा गया है। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने इस मामले को लेकर कड़ा विरोध जताते हुए सोमवार को समाधान शिविर में उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार को ज्ञापन सौंपा और कार्रवाई की मांग की। उपायुक्त ने मामले की जांच व आगामी कार्रवाई के लिए एसडीएम नांगल चौधरी को कहा गया है।

समुदाय के प्रतिनिधियों ने बताया कि खसरा नंबर 75 में स्थित यह कब्रिस्तान वर्ष 1947 से पहले का है, जहां वर्षों से दफन क्रिया होती आ रही है। यह कब्रिस्तान अनाज मंडी नांगल चौधरी के दक्षिण दिशा में स्थित है। आरोप है कि नगर पालिका की ओर से कब्रिस्तान की भूमि के बीच से पक्की सड़क निकालने की योजना बनाई जा रही है। अगर ऐसा किया गया तो कब्रिस्तान की पवित्रता भंग होगी और लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत होंगी। इसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि उक्त भूमि को लेकर पूर्व में न्यायालय में मामला चल चुका है, जिसमें कब्रिस्तान की जमीन को सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए थे। मुस्लिम समुदाय ने प्रशासन से मांग की है कि कब्रिस्तान की जमीन का सीमांकन कर उसे सुरक्षित किया जाए।

महेंद्रगढ़। अस्पताल का निरीक्षण करते एसडीएम योगेश सैनी। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम ने किया अस्पताल का औचक निरीक्षण

महेंद्रगढ़। एसडीएम योगेश सैनी ने सोमवार को नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया कर स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई व्यवस्था, दवाइयों की उपलब्धता तथा चिकित्सकों एवं स्टाफ की उपस्थिति का जायजा लिया। एसडीएम योगेश सैनी ने अस्पताल के सभी वार्डों, ओपीडी, इमरजेंसी कक्ष, दवा वितरण केंद्र तथा जांच प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने एसएमओ को निर्देश दिए कि मरीजों को समय पर बेहतर उपचार, आवश्यक दवाइयां तथा स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाना है तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने, पेयजल एवं बैठने की उचित व्यवस्था बनाए रखने तथा आपातकालीन सेवाओं को हर समय सक्रिय रखने के निर्देश भी दिए। इस दौरान डॉ बाबूलाल सहित अस्पताल के डॉक्टर व स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

खेल विभाग कागजी कार्रवाई में जुटी, अप्रैल माह में चयनित खिलाड़ियों के खाते में आ जाएगी राशि

अप्रैल माह में खिलाड़ियों के बैंक खातों में ट्रांसफर हो जाएगी राशि

900 प्लस खिलाड़ियों को 9 माह की खुराक भत्ता राशि मिलेगी एक करोड़ सात लाख 29 हजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

अच्छी खबर है। जिले की खेल नर्सरियों में प्रैक्टिस करने वाले 900 से अधिक खिलाड़ियों को नौ माह का खुराक भत्ता मिलने जा रहा है। इन खिलाड़ियों को एक करोड़ सात लाख 29 हजार की यह राशि बैंक खातों में डाली जाएगी। कागजी कार्रवाई चल रही है। उम्मीद है कि अप्रैल माह में यह राशि खिलाड़ियों के बैंक खातों में ट्रांसफर हो जाएगी।

खेल विभाग की ओर से सत्र 2025-26 में 40 खेल नर्सरियां थी। इनमें नौ सरकारी और 31 प्राइवेट खेल नर्सरियां थी। इनमें 900 से अधिक खिलाड़ी सुबह शाम अपने खेल से संबंधित कोच से खेल प्रैक्टिस लेते रहे। सरकार ने नियम बनाया हुआ है कि खेल नर्सरियों में चयनित 14 साल तक उम्र के खिलाड़ियों को 1500 रुपये प्रति माह के हिसाब से खुराक भत्ता दिया जाएगा। इसी तरह 14 से19 की उम्र के खिलाड़ियों को 2000 रुपये मासिक राशि दी जाएगी। चयनित होने वाले खिलाड़ियों को अप्रैल 2025 तक की खुराक भत्ता राशि दे दी गई थी। लेकिन इसके बाद पूरा सत्र बीतने पर भी उन्हें नौ माह की यह राशि नहीं दी गई। इसको लेकर कई बार खिलाड़ियों और उनके अभिभावकों ने आवाज उठाई।

स्थानीय खेल अधिकारी भी जिला की यह पूरी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों के पास भेजते रहे। इसके बाद चंडीगढ़ बैठे अधिकारियों ने यह बकाश खुराक भत्ता राशि सीधे खिलाड़ियों के अकाउंट में डालने की बजाय स्थानीय जिला लेवल पर राशि भेज दी। अब स्थानीय तौर पर यह खाका तैयार किया जा रहा है ताकि खिलाड़ियों को उनके उम्र व हाजिरी के हिसाब से राशि उनके बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी जाए। इसी कागजी कार्रवाई में इन दिनों स्थानीय खेल विभाग जुटा हुआ है।

नारनौल। नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम। फोटो : हरिभूमि

क्या कहते हैं खेल अधिकारी

जिला खेल अधिकारी नरेंद्र कुंडू ने बताया ने बताया कि जिला में खेल नर्सरियों के 900 से अधिक खिलाड़ियों की खुराक भत्ता राशि एक करोड़ सात लाख 29 हजार हमारे पास आ चुके है। हम इन्हें खिलाड़ियों के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर करेंगे। यह प्रक्रिया चल रही है। प्रयास है कि इसी माह में सभी चयनित खिलाड़ियों को यह नौ माह की राशि मिल जाए।

हरिभूमि
सहेली

रंगों-रेखाओं से खिलता है बचपन

स्पेशल : वर्ल्ड आर्ट-डे, 15 अप्रैल

अगर बच्चे रेखाओं के माध्यम से कोई आकृति बनाते हैं, उसमें रंग भरते हैं, मनमोहक चित्र सृजित करते हैं या कोई सुंदर-सा क्राफ्ट वर्क करते हैं तो उन्हें रोकें-टोकें नहीं, बच्चे को प्रोत्साहित करें। यह उनकी ऐसी अभिव्यक्ति है, जिससे बच्चों की रचनात्मकता तो बढ़ती ही है, उनका व्यक्तित्व भी निखरता-खिलता है।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

बीते कुछ बरसों में बचपन के बहुत से रंग पढ़ाई के बोझ तले दबते जा रहे हैं। जबकि एकेडेमिक फ्रंट पर अच्छा परफॉर्म करने के साथ ही, बालमन के अहसासों की अभिव्यक्ति भी बहुत जरूरी है। समझना मुश्किल नहीं कि एक्सप्रेसिव होने के लिए कोई न कोई माध्यम चाहिए। आर्ट एंड क्राफ्ट बच्चों के मनोरंजन, मनोभावों के एक्सप्रेशन का एक अच्छा माध्यम है, साथ ही यह बच्चों को वर्चुअल दुनिया से दूर करके उन्हें रचनात्मक बनाकर सकारात्मक तरीके से व्यस्त रखने का एक सुंदर तरीका है। इसीलिए उम्र के एक पड़ाव पर बच्चों का सहज रूप से कोई ना कोई कलात्मक एक्टिविटीज करना जरूरी है। पैरेंट्स को भी बच्चों को आर्ट की दुनिया से जोड़कर रखने का प्रयास करना चाहिए। इससे बच्चे का व्यक्तित्व संवरता और निखरता है।

कला से अभिव्यक्त होते एहसास

रंग, रेखाएं, आकार, कोई खास स्टाइल, बालमन में बसी कोई बनावट, ये सब मात्र कागज पर रंगीन कलम-पेंसिल से की गई कलात्मकता भर नहीं हैं। असल में देखा जाए तो यह बच्चों के मन की शब्दावली है। उनके भावों की अभिव्यक्ति है। बच्चों द्वारा उकेरी गई कोई भी कलाकृति उनके दुनिया को देखने के नजरिए को दर्शाती है। जिन भावनाओं और कल्पनाओं को शब्द नहीं दिए जा सकते, आर्ट एंड क्राफ्ट के जरिए बच्चे उन्हें रचनात्मक ढंग से एक्स्प्रेस कर सकते हैं। इससे बच्चे को कुछ नया भी एक्सप्लोर करने का अवसर मिलता है। अपनी सोच के मुताबिक वे कुछ विशेष रचते हैं। बच्चे लीक से हटकर सोचने और उसे धरातल पर उतारने की सोच से जुड़ते हैं। उनके मोटर स्किल्स निखरते हैं। यही वजह है कि आर्ट के माध्यम से अभिव्यक्त होते एहसास केवल मासूमियत के रंग भर नहीं होते, ये रंग और रेखाएं बच्चों की सोच-समझ को दिशा भी देते हैं।

बच्चों की मन:स्थिति को समझें

अच्छे स्वास्थ्य और सकारात्मक व्यस्तता के लिए बहुत आवश्यक है कि बच्चे कुछ समय रंगों और रेखाओं की दुनिया में भी बिताएं। विशेषज्ञ मानते हैं कि पेंटिंग-ड्राइंग बच्चों के लिए अपनी खुशी, भय, गुस्से या किसी तरह की शिकायत को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने का माध्यम भी होते हैं। बच्चों की कलाकारी के मासूम रंग कई बार उनकी बिखरती मन:स्थिति से भी मिलवाते हैं। कुछ समय पहले नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स द्वारा यौन हिंसा के शिकार बच्चों का पता लगाने के लिए एक नई पहल भी यही बात कहती है। बाल आयोग के मुताबिक बच्चों के सेक्सुअल हेरेसमेंट का पता लगाने के लिए आर्ट सबसे बेहतरीन माध्यम है। ड्राइंग या पेंटिंग के जरिए न केवल बच्चे खुलकर अपनी बात कह पाते हैं बल्कि उनके दर्द को समझा भी जा सकता है। आमतौर पर शोषण के शिकार बच्चे अपनी बात कहने में डरते हैं। किसी के आगे अपना मन नहीं खोलते। यही वजह है कि आयोग द्वारा 'असेसमेंट ऑफ चाइल्ड सेक्सुअल वॉयलेंस विथ द हेल्प ऑफ ड्राइंग' के लिए ड्राफ्ट रिपोर्ट भी जारी की गई। इस रिपोर्ट को एम्स के डिपार्टमेंट ऑफ साइकिएट्री की मदद से बनाया गया है, रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्राइंग, बच्चों से बातचीत शुरू करने का सही माध्यम है। जरूरी है पैरेंट्स भी बच्चों की कलात्मकता में छिपे मनोभावों को समझें। यह उनकी सुरक्षा से जुड़ा पहलू तो है ही, उनके मन को समझने का एक प्यारा-सा जरिया भी है।

बच्चे की रुचि-रुझान को जानें-समझें

पैरेंट्स को इस क्षेत्र में अपने बच्चों के रुचि-रुझान को गंभीरता से देखने-समझने का भी प्रयास करना चाहिए। सचमुच दिलचस्पी हो तो बचपन में भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनी आर्ट, आगे चलकर बच्चे को आर्ट की दुनिया में अपना भविष्य बनाने की राह बना सकते हैं। इसीलिए बच्चों के आर्ट-क्राफ्ट से जुड़े कामों की प्रशंसा अवश्य करें। स्केचिंग, पेंटिंग, स्कल्प्चर मेकिंग या क्ले, ये सब जब बच्चे मन से करें तो उनकी रुचि को देखते हुए इससे जुड़े सामान लाकर देकर उन्हें प्रोत्साहित करें। अपने परिवार में उनकी रुचि की चर्चा कर प्रेरणादायी परिवेश बनाएं। बचपन की रंगीन यादों को सहेजने के लिए उनके बनाए आर्ट वर्क को फ्रेम करवाकर घर में लगाएं। बच्चों के कमरे की सजावट के लिए उनके ही बनाए चित्र लगाना भी एक अच्छी पहल होगी। जरूरी यह भी है कि पैरेंट्स उनके क्रिएटिव एक्सप्रेशन की उपेक्षा करने के बजाय, इससे जुड़ी जानकारियां उनसे साझा करें। आज की वर्चुअल व्यस्तता में बच्चों को आर्ट एग्जीबिशन में ले जाने जैसी एक्टिविटी बच्चों की रुचि को समझने में हेल्प करेगी। साथ ही पार्क, चिड़ियाघर, प्राकृतिक स्थल और म्यूजियम जैसी जगहों पर भी बच्चे बहुत मन से चीजें देखते हैं। ज्यादातर बच्चे जानवरों और मौसम के रंगों को देखते हैं। इन्हें वे अपनी आर्ट में ढालने में भी रुचि लेते हैं।

तारीफ करना भी एक कला है

अगर कोई अच्छा काम कर रहा है तो उसकी तारीफ हमें जरूर करनी चाहिए, इसका इंसान पर बहुत ही सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लेकिन यह तभी संभव है, जब हम तारीफ सही ढंग से करेंगे। तारीफ कैसे की जाए, इसके क्या फायदे हैं, जानिए।

सलीका
शिखर चंद जैन

तारीफ करना वैसे तो एक सामान्य-सी आदत है, लेकिन इसका सही समय पर ढंग से इस्तेमाल किया जाए तो यह सामने वाले का आत्मविश्वास बढ़ा सकती है, रिश्ते मजबूत कर सकती है। इतना ही नहीं तारीफ वर्किंग प्लेस की प्रोडक्टिविटी में भी इजाफा कर सकती है। डेल कार्नेगी से लेकर रॉबर्ट सियाल्डिनी जैसे दिग्गजों ने अपनी बेस्टसेलर किताबों में तारीफ को रिश्ते मजबूत करने का सबसे कारगर तरीका बताया है। लेकिन इसमें बनावट, व्यंग्य या चापलूसी दिखाई दे तो इसका असर उल्टा भी हो सकता है। इसलिए तारीफ करना एक कला ही नहीं, मनोविज्ञान भी है।

तारीफ का मनोवैज्ञानिक प्रभाव: तारीफ इंसानी स्वभाव से जुड़ी एक बुनियादी जरूरत को पूरा करती है। यह जेनुइन रिकगनिशन यानी ईमानदार मान्यता है। इस पर पारस्परिकता का नियम यानी लॉ ऑफ रेसीप्रोसिटी भी लागू होता है। सोशल साइकोलॉजिस्ट रॉबर्ट सियाल्डिनी के अनुसार, 'जब आप किसी की तारीफ करते हैं, तो वह मनोवैज्ञानिक रूप से आपका साथ देने या आपको पसंद करने के लिए बाध्य महसूस करता है। तारीफ केवल शब्द नहीं है, सामने वाले के अस्तित्व को दी गई एक मान्यता है। हर इंसान को तारीफ की जरूरत होती है। अब्राहम मेस्लो का 'हायरार्की ऑफ नीड्स' सिद्धांत कहता है कि जब किसी को ईमानदारी से सराहा जाता है तो उसके अंदर 'सेल्फ-वैल्यू' की भावना उत्पन्न होती है, जो मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और प्रेरणा के लिए आवश्यक है। यहां यह भी बताना जरूरी है कि अगर आप किसी की तारीफ कर रही हैं या तारीफ करना चाहती हैं तो इसके कुछ वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलुओं को अवश्य ध्यान में रखें।

स्पेसिफिक तारीफ करें: किसी की तारीफ जनरेलाइज के बजाय स्पेसिफिक रहकर करें। 'आप अच्छा काम करते हैं' के बजाय इस तरह से कहकर तारीफ करें 'आपने रिपोर्ट में जो डेटा विजुअल्स डाले, वे वास्तव में बेहद असरदार थे।' ऐसा कहने का ज्यादा प्रभाव होगा।

प्रयासों की सराहना करें: माइंडसेट पुस्तक के लेखक कैरल ड्वेक के अनुसार, 'किसी की बुद्धि के बजाय उसके कठिन परिश्रम की तारीफ करने से वह आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होता है।'

सही मौके पर करें तारीफ: तारीफ का प्रभाव तब ज्यादा होता है, जब वह किसी कार्य या घटना के तुरंत बाद की जाती है। देरी से की गई तारीफ का प्रभाव कम हो जाता है, भले ही वह कितनी भी ईमानदारी से क्यों न की गई हो।

पीठ पीछे भी करें तारीफ: जब आप किसी की अनुपस्थिति में उसकी सराहना करती हैं, तो जब वह बात उस तक पहुंचती है, उसका मूल्य दोगुना हो जाता है। इसके लिए आपको ऐसे लोगों के बीच तारीफ करनी होगी, जो उसके संपर्क में रहते हैं।

बॉडी लैंग्वेज का रखें ध्यान: तारीफ में बॉडी लैंग्वेज काफी महत्वपूर्ण होती है। आंखों में देखना, मुस्कुराना और सौम्य स्वर में प्रशंसा करने से सामने वाले को वास्तविकता का बोध होता है। यह तारीफ को प्रभावशाली बनाता है।

पब्लिक में प्रशंसा: सबके सामने की गई तारीफ व्यक्ति के सामाजिक सम्मान को बढ़ाती है, उसे आपके प्रति वफादार बनाती है।

तारीफ करने-सुनने के फायदे

प्रोडक्टिविटी में इजाफा: गैलप के एक सर्वे के मुताबिक जिन कर्मचारियों को नियमित प्रशंसा मिलती है, वे 21 फीसदी अधिक प्रोडक्टिव होते हैं। वहीं हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू के अध्ययन के अनुसार सराहना पाने वाले कर्मचारियों में क्रिएटिविटी, टीमवर्क और एंप्लॉई सेटिस्फेक्शन का स्तर अधिक पाया गया।

तनाव-अवसाद में कमी: यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवेनिया की एक स्टडी में पाया गया कि प्रशंसा से एंग्जायटी और डिप्रेशन के स्तर में कमी आती है।

रिश्तों में मिलती है मजबूती: इंटरनेशनल सोशल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार तारीफ से पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों में भरोसा और अपनापन बढ़ता है। जॉन गॉटमैन इंस्टीट्यूट की स्टडी कहती है कि ईमानदार प्रशंसा एक मजबूत भावनात्मक बैंक बैलेंस बनाने में मदद करती है, जिससे टकराव के समय भी रिश्तों में मजबूती बनी रहती है।

डोपामाइन का संचार: जब हमारी तारीफ होती है, तो मस्तिष्क में 'डोपामाइन' नामक हार्मोन रिलीज होता है, जो हमें खुशी और संतुष्टि का अहसास कराता है। यह वही रिवॉर्ड सिस्टम है, जो खुशी प्रदान करती है।

बैसाखी एक ऐसा सांस्कृतिक पर्व है, जिसे पूरे देश में अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इस पर्व को नववर्ष के रूप में मनाते हैं तो कहीं फसल तैयार होने के उल्लास के रूप में। यह पर्व हमें अपनी परंपराओं, धार्मिक आस्था और संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश भी देता है।

सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बैसाखी का पर्व

सांस्कृतिक पर्व
आर. सी. शर्मा

भारतीय समाज की संरचना जितनी मिश्रित है, उतनी ही खूबसूरत भी है। यहां धर्म, संस्कृति, भाषा और जीवनशैली की विविधताएं मिलकर एक अद्भुत ताना-बाना रचती हैं और इसी ताने-बाने को मजबूती देने में त्योहारों की इंद्रधनुषी भूमिका होती है। बैसाखी का पर्व मुख्य तौर पर सिख धर्म से जुड़ा है। 13 अप्रैल 1699 को इसी बैसाखी के दिन ही खालसा पंथ की स्थापना गुरु गोविंद सिंह द्वारा की गई थी। इसलिए यह दिन सिखों के लिए बहुत महत्वपूर्ण और आत्म-गौरव का प्रतीक पर्व माना जाता है। इसे कई अन्य प्रदेशों में भी मनाया जाता है।

कई रूपों में मनाते हैं पर्व: बैसाखी के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग धार्मिक और सांस्कृतिक रूपों में नववर्ष का उल्लास देखने को मिलता है। इसी दिन पश्चिम बंगाल में पोइला बोइशाख यानी बंगाली नववर्ष भी मनाते हैं। इस दिन वहां सांस्कृतिक जुलूस, गीत, संगीत के आयोजन होते हैं। पारंपरिक नए परिधानों में सजे लोग पोइला बोइशाख धूमधाम से मनाते हैं। बंगाल में यह दिन व्यापारियों के लिए नया खाता खोलने का दिन भी माना जाता है। केरल और असम में भी क्रमशः विशु और बोहाग बिहू जैसे रंग-बिरंगे त्योहारों की छटा इसी अवसर पर बिखरती है। केरल में विशु पर्व, समृद्धि और नए आरंभ का प्रतीक माना जाता है। बोहाग बिहू, असम का सबसे बड़ा पर्व खेती और नववर्ष दोनों का साझा उत्सव होता है, जिसमें लोकगीत और लोकनृत्यों की धूम होती है। बैसाखी के दिन जहां पंजाब, हरियाणा और समूचे उत्तर भारत में गुरुद्वारों में कीर्तन, लंगर का आयोजन होता है, वहीं तमिलनाडु में इस दिन पुथांडु यानी तमिल नववर्ष मनाया जाता है। इस तरह यह पर्व पूरे देश में विभिन्न रूपों में मनाते हैं।

असम में मनाते हैं बोहाग बिहू

सिखों के लिए विशेष महत्व: निःसंदेह त्योहारों की इस इंद्रधनुषी छटा में बैसाखी का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व विशेष रूप से उल्लेखनीय है। खालसा पंथ की स्थापना से जुड़ी ऐतिहासिक घटना, सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि भारत की सामाजिक क्रांति का प्रतीक भी है। खालसा पंथ की स्थापना ने सिख समुदाय को एक नई और विशिष्ट पहचान दी। खालसा पंथ की स्थापना ने दरअसल, सिख समुदाय को एक नई पहचान, अनुशासन और साहस का प्रदान किया जाना था। इस दिन देशभर के गुरुद्वारों में विशेष शबद, कीर्तन और प्रभात फेरियां आयोजित होती हैं। इस दिन भव्य लंगर का भी आयोजन होता है।

किसानों के उल्लास का प्रतीक: भले ही बैसाखी के पर्व को अलग-अलग रूपों में देश भर में मनाया जाता है। लेकिन कहीं न कहीं ये सारे नववर्षीय पर्व भारत की कृषि प्रधानता को भी रेखांकित करते हैं। उत्तर भारत में यह रबी की फसल की कटाई का समय होता है। किसानों के लिए केवल फसल काटने के लिए ही नहीं बल्कि मेहनत का फल मिलने का भी क्षण होता है। इस तरह बैसाखी किसानों की इस खुशी का उल्लास बन जाती है।

आपसी जुड़ाव का पर्व: पंजाब और हरियाणा में बैसाखी के अवसर पर खेतों में भांगड़ा और गिद्दा जैसे लोकनृत्य किए जाते हैं। यह केवल मनोरंजन नहीं बल्कि ईश्वर के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक भी होता है। बैसाखी भारतीय समाज की विविधता में एकता का प्रतीक पर्व है।

स्किन केयर
नैंसी गुप्ता

स्किन टैनिंग से होगा बचाव अपनाएं ये सरल-कारगर उपाय

गर्मी का मौसम आते ही दिन के समय बाहर निकलने पर तेज धूप और यूवी किरणें हमारी त्वचा पर असर डालने लगती हैं। इन दिनों स्किन टैन होना एक आम समस्या बन जाती है, जिससे त्वचा का रंग अनईवन या डार्क नजर आने लगता है। इनसे बचने के लिए लोग ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं। लेकिन आप चाहें तो कुछ सरल प्राकृतिक उपायों को आजमा सकती हैं। इससे भी स्किन टैनिंग की समस्या दूर हो जाएगी।

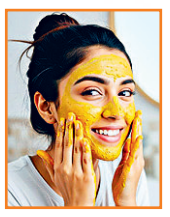

दही-बेसन का पैक: दही और बेसन का मिश्रण, त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड, टैनिंग को हल्का करने में मदद करता है, जबकि बेसन स्किन को क्लीन और एक्सफोलिएट करता है। इस पैक को हफ्ते में 2-3 बार लगाने से त्वचा में निखार आता है।

नीबू-शहद का पैक: नीबू में ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो टैनिंग को हल्का करने में सहायक होती हैं। शहद, त्वचा को मॉयश्चराइज करता है। इन दोनों को मिलाकर लगाने से स्किन क्लीन और ग्लोइंग बनती है। लेकिन ध्यान रखें कि इसे स्किन पर लगाने के बाद धूप में जाने से बचना चाहिए।

एलोवेरा से मिले स्किन को ठंडक: एलोवेरा, गर्मियों में न सिर्फ स्किन को ठंडक देता है, बल्कि टैनिंग को कम करने में भी मदद करता है। ताजे एलोवेरा जैल को चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट बाद साफ पानी से धोने से स्किन फ्रेश हो जाती है।

खीरा-गुलाब जल का टोनर: खीरा त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ टैनिंग को भी कम करता है। यही गुण गुलाब जल में होता है। खीरे के रस में गुलाब जल को अच्छी तरह मिलाकर चेहरे पर लगाने से स्किन को ताजगी मिलती है।

ठंडे दूध से मसाज: कच्चा, ठंडा दूध स्किन को क्लीन करने का बेहतरीन तरीका है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को मुलायम बनाते हैं और टैनिंग को धीरे-धीरे कम करते हैं।

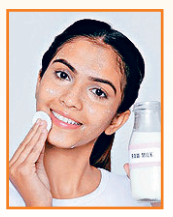

अच्छा क्लींजर है नारियल पानी: नारियल पानी स्किन को अंदर से साफ करने में मदद करता है। इसे चेहरे पर लगाने से टैनिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है।

टमाटर का रस है इफेक्टिव: टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो टैनिंग को कम करने में मदद करते हैं। आप चाहें तो टमाटर के रस को सीधे स्किन पर लगा सकती हैं। इसका रेग्युलर इस्तेमाल करने से स्किन ब्राइट होती है और सन रेज से होने वाला स्किन डैमेज कम होता है।

(स्किन केयर एक्सपर्ट निर्मल चावला से बातचीत पर आधारित)

अगर आप बेबी प्लान कर रही हैं तो आपको अपनी और आने वाले बच्चे की हेल्थ से जुड़ी कुछ तैयारियां कर लेनी चाहिए। कौन सी हैं वो तैयारियां, जानिए।

बेबी प्लानिंग से पहले कई लेवल पर करें तैयारी

प्रिकॉशन
चेतना झा

घर के आंगन में किलकारी गूंजे, यह ख्वाहिश हर शादी-शुदा जोड़े की होती है। आप भी इस मोड़ पर पहुंची हैं, जहां बाहों में नन्हे-मुन्ने को समेटने को मन मचल रहा है तो कुछ तैयारियां करने का समय आ गया है। ये तैयारियां कई स्तर की हैं। कुछ शरीर के स्तर पर तो कुछ मन के स्तर पर। कुछ करियर के मसले हैं तो कुछ पारिवारिक। इन सभी के बारे में यहां आपको बता रहे हैं।

तनाव की छुट्टी: अब जब आपने मां बनने का निर्णय लिया है तो सबसे पहले तनाव को गुड बाय कहिए। तनाव दरअसल, बर्थ कंट्रोल की गोलियों की तरह ही काम करता है। जाहिर है, मां बनना चाहती हैं, तो इसे छोड़ना होगा। इससे बचने के लिए पहचानिए क्या हैं आपके तनाव के खास कारण। यदि पैसों के मामले में जीवनसाथी से झगड़े होते हैं तो बेहतर है कि पहले काउंसलर या फाइनेंशियल प्लानर से बात कर समस्या को जड़ से दूर करें। कोलाहल भरे रास्ते से आना-जाना मजबूरी हो तो क्यों ना कोई ऐसा वैकल्पिक रास्ता ढूंढें जो भले थोड़ी अधिक दूरी का हो, पर सुकून भरा हो।

दवाओं पर दें ध्यान: बेबी प्लानिंग के साथ आप जब डॉक्टर से मिलेंगी तो वे आपको कुछ खास दवाएं लेने को कह सकती हैं। आपकी खुराक में पर्याप्त फोलिक एसिड, आयरन, कैल्शियम और विटामिंस होने चाहिए। फोलिक एसिड बच्चे को जन्मजात विकृतियों से बचाने में मददगार होता है। वहीं कैल्शियम सप्लीमेंट्स, आपकी हड्डियों और आपके दांतों की मजबूती के लिए जरूरी हैं।

न्यूट्रिशस डाइट: खाने में दूध और दूध से बने पदार्थ जैसे खोया, पनीर, छेना आदि शामिल करना चाहिए। मौसमी सब्जियां और फल जैसे गाजर, टमाटर, सेब, केला, नारंगी आपको अपनी डेली डाइट में शामिल करना जरूरी है। ये फल आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन-ए, विटामिन-सी आदि के अच्छे स्रोत होते हैं। नॉनवेज खाती हैं तो हफ्ते में एक बार मछली, चिकन आदि खा सकती हैं। अंकुरित चना, मूंग में विटामिन-ई प्रचुर मात्रा में होता है। जिन्हें मां बनने में दिक्कत आ रही है, वे महिलाएं इसका सेवन जरूर करें। थोड़ी मात्रा में सूखे मेवे भी नियमित खाएं।

रेग्युलर चेकअप: बेबी प्लानिंग से पहले और शुरुआती महीनों में आरएच टाइपिंग, ब्लड ग्रुपिंग, वीडीआरएल, एचआईवी, आस्ट्रेलियन एंटीजेन, ब्लड शुगर, टीसी, डीसी, ईएसआर, हीमोग्लोबिन, थायरॉइड हार्मोंस जैसे- टी थ्री, टी फोर और टीएसएच, सीरम एफएसएच, एलएच, प्रोलेक्टिन, यूरिन कल्चर टेस्ट आदि जरूरत के मुताबिक डॉक्टर कराते हैं। प्रेग्नेंसी प्लान से पहले पति के स्पर्म की भी जांच कराते हैं। डॉक्टर पहले ही आश्वस्त हो जाते हैं कि संभावित गर्भ में थैलिसिमिया जैसी जेनेटिक बीमारियां नहीं हो। डॉक्टर की राय के अनुसार ये टेस्ट कराने में लापवाही न बरतें। ऐसा करना आपकी और होने वाले बच्चे की हेल्थ के लिए बहुत जरूरी है।

(स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी लाल से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

नांगल कालिया की पूजा अधीक्षक पद पर चयनित

नारनौल। एसएससी सीजीएल के परिणाम में पूजा यादव पुत्री रणधीर यादव निवासी नांगल कालिया ने सफलता हासिल की है, जिसमें

मेरिट के आधार पर आयकर विभाग में अधीक्षक पद पर चयनित किया गया है। मेधावी छात्रा को ग्रामीणों ने सम्मानित करने के लिए समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। रणधीर ने बताया कि पूजा यादव की शैक्षिक योग्यता स्नातक तक टॉपर रही है। बीते साल एसएससी सीजीएल की परीक्षा दी, जिसका मेन परिणाम घोषित हो गया है, जिसमें पूजा यादव का चयन रैंक के अनुसार आयकर विभाग में सुपरीटेंड का पद प्राप्त हुआ है।

शिकायतों का प्राथमिकता से करें समाधान : एसडीएम

महेंद्रगढ़। डीसी कैप्टन मनोज कुमार के निर्देशानुसार सोमवार को लघु सचिवालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एसडीएम योगेश सैनी ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। एसडीएम योगेश सैनी (आईएएस) ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों को लंबित न रखते हुए तत्परता से समाधान करवाकर समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर रिपोर्ट अपडेट करना सुनिश्चित करें। एसडीएम ने समाधान शिविर में आई शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित शिकायतों का जल्द से समाधान करना सुनिश्चित करें।

बसपा आज मनाएगी डॉ. आंबेडकर जयंती

मंडी अटेली। बहुजन समाज पार्टी द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में 14 अप्रैल को जोन स्तरीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम जिला पलवल के हथीन क्षेत्र के गांव फिरोजपुर राजपूत में आयोजित होगा, जिसमें हरियाणा के 11 जिलों से पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी भाग लेंगे। जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष प्रमोद कटारिया ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं और इसे सफल बनाने के लिए विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी कर विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

पटीकरा स्कूल में मनाई डॉ. आंबेडकर जयंती

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पटीकरा में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रवक्ता डॉ. सुषमा यादव ने की। विद्यालय के पूर्व प्रवक्ता भूपसिंह भारती मुख्यातिथि रहे। कला शिक्षिका प्रमिला जाखड़ के नेतृत्व में बच्चों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर का चित्र बनाओ व नारा लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया। डॉ. भीमराव आंबेडकर का चित्र बनाओ प्रतियोगिता में छात्रा नेहा प्रथम, छात्रा प्रियांशी द्वितीय तथा छात्र अरुण अहीरवार तृतीय रहा।

11 एयर कंडीशन कमरे व सत्संग हाल भी शामिल

नारनौल वालों ने वृंदावन में तैयार किया श्री गुरुकृपा धाम भवन

- आश्रम में ठहरने के लिए दो-तीन दिन पहले देनी होगी जानकारी भक्तों के लिए सात्विक भोजन व चाय पानी की भी रहेगी व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आचार्य पं. बजरंग शास्त्री महाराज के सानिध्य में श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान रजिस्टर्ड एवं भक्तों के सहयोग से वृंदावन धाम में श्री गुरुकृपा धाम का भव्य उद्घाटन किया गया। इस मौके पर प्रमुख संतों व महापुरुषों का आगमन हुआ, जिनमें प्रमुख रूप से भागवत शिक्षक नेत्रपाल गुरुजी, आचार्य रोहित रिछारिया बागेश्वर धाम, महंत गुरुप्रसाद पचोखरा धाम, आचार्य अनमोल कृष्ण वृंदाबन, विष्णुकांत शास्त्री, आचार्य सुनील कृष्ण शास्त्री, आचार्य शिव कुमार शास्त्री, आचार्य बद्रीश, आचार्य चंद्रमोहन शास्त्री, आचार्य राघवदास शास्त्री आदि शामिल रहे।

आचार्य पं. बजरंग शास्त्री महाराज की माता लीलावती देवी ने

नारनौल। उद्घाटन अवसर पर उपस्थित संत–महापुरुष। *फोटो : हरिभूमि*

रिबन काट कर धाम का उद्घाटन किया। बीरबल की नगरी से वृंदावन में एक आशियाने के निर्माण से नारनौल के लोगों में खुशी की लहर है। संस्था के प्रधान महेंद्र नूनीवाला ने बताया कि इस आश्रम में भक्तों द्वारा 11 एयर कंडीशन कमरे एवं शौचालय तथा एक सत्संग हाल का निर्माण करवाया गया है।

यहां भक्तों के लिए सात्विक भोजन एवं चाय पानी की व्यवस्था भी रहेगी। आश्रम में ठहरने के लिए दो-तीन दिन पूर्व जानकारी देना आवश्यक है।

संस्था के सहकोषाधयक्ष विनोद सोनी ने बताया कि नारनौलवासियों को काफी समय से इंतजार था कि वृजभूमि वृंदावन में नारनौल का एक आश्रम हो, जो आचार्य बजरंग शास्त्री, मनीष शास्त्री एवं संस्था और नारनौलवासियों के सहयोग से पूर्ण हो गया है।

इस मौके पर सचिव सुरेंद्र गोयल एवं उपप्रधान सुरेश शर्मा ने बताया कि सुबह प्रातः नौ बजे सुन्दर काण्ड एवं पूजा अर्चना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में संजय गर्ग, प्रहलाद सोनी, प्रमुख समाजसेवी महेश गुप्ता, राजेन्द्र गुप्ता, मनीष बंसल, पम्मी चौधरी, कृष्ण गुप्ता, मनोज अग्रवाल, राकेश बंसल, पवन शर्मा, नीरज अग्रवाल, पवन यादव, नरेश बंसल, संजय अग्रवाल, संजय सैनी, मनोज सोनी, राकेश यादव, भगत सिंह सैनी, अमित यादव, विकास यादव, विनोद सर्राफ, सुरेंद्र गुप्ता, दीपक बंसल, लक्खन गोयल, खेमचंद शर्मा, रमेश गुप्ता व सचिन गुप्ता सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ का पांचवां जिला अधिवेशन हुआ

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ जिला कार्यकारिणी गठित, राजबीर बने प्रधान

- अधिवेशन की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष आशीष गोरा ने की
- मंच का संचालन जिला सचिव व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कर्मवीर जाखड़, प्रेस सचिव सूरज कुमार ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ के तत्वावधान में सोमवार को जिले के पांचवें अधिवेशन को सर्किल ऑफिस में मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष आशीष गोरा ने की, जबकि मंच का संचालन जिला सचिव व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कर्मवीर जाखड़, प्रेस सचिव सूरज कुमार ने किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रांत महासचिव जीवन ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र यादव, अनुशासन समिति सदस्य विक्रम श्योराण, प्रदेश सचिव उदय शंकर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राकेश, नरेंद्र श्योराण व जिला मंत्री हरकेश विशेष रूप से उपस्थित रहे। अधिवेशन में संगठन की मजबूती, कर्मचारियों के अधिकारों व भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की एकता ही कर्मचारियों की सबसे बड़ी ताकत है और इसी के बल पर अनेक लंबित मांगों को

नारनौल। नवनियुक्त कर्मचारी को सम्मानित करते प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण। *फोटो : हरिभूमि*

पूरा कराया गया है। अधिवेशन के दौरान सर्वसम्मति से जिला की नई कार्यकारिणी व दोनों डिविजनों की कार्यकारिणी का गठन किया गया। अंत में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने, कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

जिला कार्यकारिणी

जिला कार्यकारिणी
जिला प्रधान राजबीर शेखावत सतनाली, जिला कार्यकारी प्रधान उमेश यादव एचवीपीएन, उपप्रधान सोनू यादव अटेली, मुकेश भट्टी, जिला सचिव चिंतामणि गुप्ता, सह सचिव अनूप, जिला कोषाध्यक्ष आशीष गोरा, संगठनकर्ता प्रवीण डीईओ, जिला सलाहकार सूरज कुमार, जिला प्रेस सचिव अशोक, सह कोषाध्यक्ष मोहन, कार्यकारिणी सदस्य सोनम कुमारी, फूल सिंह अटेली, अजीत यादव, बलवीर यादव महेंद्रगढ़ को बनाया गया। ऑपरेशन किया था।

डिवीजन कार्यकारिणी नारनौल

प्रधान रामोतार यादव, उपप्रधान सर्वेश यादव, राजकुमार, सचिव आनंद लाठा, सहसचिव छोटेलाल सिहमा, संगठनकर्ता मनोज कुमार, सलाहकार महेश यादव, प्रेस सचिव हितेश यादव, कोषाध्यक्ष लाल, सह कोषाध्यक्ष संदीप, कार्यकारिणी सदस्य रवि यादव, नरेंद्र, रवि को चुना गया।

डिवीजन महेंद्रगढ़ कार्यकारिणी

डिवीजन प्रधान सरजीत खटाना, उपप्रधान मनोज कुमार व अशोक पूनिया, सचिव तपन, सहसचिव राजवीर, संगठनकर्ता सुरेंद्र यादव, सलाहकार, संदीप राठी, प्रेस सचिव कुलदीप, कोषाध्यक्ष नरेश काका, सह कोषाध्यक्ष मनजीत लांबा, कार्यकारिणी सदस्य सुनील, ओमवीर यादव, राजेश को चुना गया।

न्यूज डायरी

महान गायिका को श्रद्धांजलि, दो मिनट का रखा मौन

महेंद्रगढ़। मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चामधेड़ा रोड महेंद्रगढ़ के प्रांगण में प्रख्यात गायिका आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान विद्यालय प्रबंधन, स्टाफ और विद्यार्थियों ने गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं। कार्यक्रम में चेयरमैन सतन सिंह यादव ने कहा कि आशा भोसले भारतीय संगीत जगत की एक अमूल्य धरोहर थीं। उनकी मधुर और बहुमुखी आवाज ने देश ही नहीं, बल्कि विश्वभर में लोगों के दिलों को छुआ। उन्होंने विभिन्न भाषाओं में हजारों गीत गाकर भारतीय संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाई। उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। प्राचार्य प्रदीप तंवर ने कहा कि आशा भोसले का संगीत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। इस अवसर पर राजेन्द्र शर्मा, जेएस लाम्बा, मानसिंह, भूपेन्द्र सैनी, दिनेश सैनी, सुरेश सैनी, विक्रम सैनी, सतीश मेहरा, राकेश यादव, विनोद, सुभाष डीपी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सीएल स्कूल में बैसाखी पर्व मनाया

नारनौल। हुडा स्थित सीएल पब्लिक स्कूल में बैसाखी का पावन पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को रंग बिरंगी सजावट से सजाया गया तथा छात्रों व शिक्षकों ने मिलकर इस त्योहार को विशेष रूप दिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना सभा से हुई। जिसके बाद विद्यार्थियों ने बैसाखी के महत्व पर भाषण प्रस्तुत किया। इसके साथ ही छात्रों ने भांगड़ा और गिद्धा जैसे पारंपरिक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी, जिसने सभी का मन मोह लिया। इसके साथ साथ संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती भी मनाई गई। जिसमें समानता, सामाजिक न्याय, संविधान का महत्व पर चर्चा की गई। विद्यालय के प्रबंधक निदेशक डॉ. अमित गुप्ता ने अपने संबोधन में बैसाखी के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को मेहनत, एकता और समर्पण का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि यह पर्व फसल कटाई की खुशी का प्रतीक है तथा हमें प्रकृति व किसानों के प्रति आभार व्यक्त करना सिखाता है।

एमआर स्कूल अटेली में मनाया बैसाखी पर्व

नारनौल। एमआर पब्लिक स्कूल अटेली में बैसाखी पर्व मनाया गया है। इस अवसर पर विद्यालय में अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिनमें पंजाबी संस्कृति व परंपराओं की झलक देखने को मिली। इनमें विद्यार्थियों ने एकल नृत्य, समूह नृत्य, एकल गीत, समूह गीत, देशभक्ति और लोकगीत जैसी प्रस्तुतियां दी तथा श्रोताओं को मंत्र मुक्त किया। इसके अतिरिक्त कविताएं, भाषण आदि की भी प्रस्तुतियां दी गई। विद्यार्थियों ने पंजाबी संस्कृति से जुड़ा परिधान पहनकर विद्यालय को एक राज्य विशेष की झलक में बदल दिया। इस अवसर पर अध्यापकों ने भी विद्यार्थियों को इस पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य मनोज कुमार ने विद्यार्थियों द्वारा दी गई परिस्थितियों की सराहना की। चेयरमैन सियाराम यादव ने समस्त विद्यार्थियों व अध्यापकों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं दी।

इसी कड़ी में एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा में बैसाखी के त्योहार की खुशी में प्राइमरी विंग में रंगारंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने अपनी कला का बढ़ चढ़कर प्रदर्शन किया।

सतनाली कॉलेज में डॉ. आंबेडकर जयंती पर हुई विचार संगोष्ठी

सतनाली मंडी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सतनाली इकाई की ओर से राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती अवसर पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक कंवर सिंह यादव मुख्य अतिथि, सरपंच प्रतिनिधि धर्मवीर गोठवाल विशिष्ट अतिथि, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला संघचालक कैप्टन हंसराज, जिला प्रमुख अभाविप महेंद्रगढ़ डॉ. अविनाश यादव, महेश कुमार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सुधीर लांबा ने की। मंच संचालन एबीवीपी सतनाली नगर अध्यक्ष डॉ. विपिन कुमार ने किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला संघचालक कैप्टन हंसराज ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज के प्रत्येक वर्ग को न्याय दिलाने का कार्य किया और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें। मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि एबीवीपी विश्व का सबसे बड़ा संगठन है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता का प्रतीक है। एबीवीपी जिला प्रमुख डॉ. अविनाश यादव ने कहा कि एबीवीपी केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की विचारधारा है, जो विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक दायित्व का भाव जागृत करता है। इस मौके पर सतनाली नगर मंत्री सचिन कुमार, जिला महामंत्री योगेश शास्त्री, मार्केट कमेटी चेयरमैन भागीरथ शेखावत, दिवान सिंह शेखावत, अरविंद कुमार, आशीष, कार्तिक, अरमान, ललित आदि उपस्थित रहे।

सतनाली मंडी। कार्यक्रम में अतिथियों को सम्मानित करते प्राचार्य।

सिंघानिया विश्वविद्यालय में भारत नेपाल संबंधों पर हुई विचार गोष्ठी

भारत-नेपाल संबंधः अतीत से वर्तमान तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सिंघानिया विश्वविद्यालय में भारत-नेपाल संबंधों पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच संबंधों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल के पूर्व उप-मुख्यमंत्री एवं सांसद राजेंद्र सिंह रावल उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिंघानिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने की। मुख्य अतिथि राजेंद्र सिंह रावल ने नेपाल भारत के विभिन्न पहलूओं पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि कुमाऊं के संबंधों की प्रगाढ़ता के लिए अकबर ने बीरबल को भेजा था। उन्होंने कहा कि स्थापत्य, रक्त संबंध, दर्शन में हमारी एकता झलकती है। रावल कहते हैं कि जनक नंदनीसीता, महर्षि वेदव्यास नेपाल के हैं। हमारी एकता की जड़ हमारी संस्कृति है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के साथ संबंधों को मजबूत करने का सुझाव दिया, जिसमें अनुसंधान, जल संरक्षण, डिजिटल ढांचा, पेटेंट अधिकार, युवा, लहर, रोजगार, एसडीजी, शांति, और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में विकास जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है।

नारनौल। गोष्ठी में अतिथिगण को सम्मानित करते हुए।

गोष्ठी में बोले वक्ता

अध्यक्षीय वक्तव्य में डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि नेपाल की संस्कृति बहुत समृद्ध है। वहां की आवाभगत, प्रेम, लोगों की मदद करने की क्षमता उसकी पहचान को बनाए रखते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत-नेपाल का यह साथ ऐसे ही बना रहेगा। उन्होंने कहा कि हम चर्चा कर रहे हैं, यह एक अच्छा संकेत है कि हम दोनों अपने देशों को उच्च सम्मान देते हैं। हम शिक्षा के क्षेत्र में नेपाल के साथ जुड़ने का इंतजार कर रहे हैं। आइए हम अंतर को भरें और वैश्विक नागरिक बनें। विशिष्ट वक्ता डॉ. रामनिवास मानव ने कहा कि विश्वविद्यालय का अर्थ है विश्व का विद्यालय, जिसमें पूरे विश्व के लोग शामिल हैं। उन्होंने 1816 की सगौली संधि और 1950 की भारत-नेपाल सगौली संधि का उल्लेख किया। विशिष्ट अतिथि महिपाल सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत की हिंदी व नेपाली दोनों का मूल भाषा संस्कृत है। विशिष्ट वक्ता भानुदत्त आचार्य ने भारतीय संस्कृति को नेपाल की संस्कृति से जोड़ा और कहा कि नेपाल-भारत का संबंध बहुत पुराना है।

दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन में क्रीड़ा भारती ने किया कार्यकारिणी का विस्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

क्रीड़ा भारती हरियाणा प्रांत का दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला के प्रांगण में आयोजित किया गया। संस्था के चेयरमैन जगदेव यादव ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व खिलाड़ियों हिस्सा लिया। अधिवेशन में नए शिक्षा सत्र की कार्ययोजना पर विचार विमर्श किया गया। वहीं खेल गतिविधियों को जन जन तक पहुंचाने तथा युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और शारीरिक श्रम की भावना को जागृत करने पर भी फोकस किया गया। शिक्षा सत्र के लिए वार्षिक कैलेंडर तैयार किया गया। जिसमें हनुमान जयंती को क्रीड़ा भारती का स्थापना दिवस प्रदेशभर में धूमधाम से मनाने की रूपरेखा तैयार की। इसके साथ ही 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बड़े स्तर पर मनाने, विद्यालयों व ग्रामीण क्षेत्रों में खेल पखवाड़ा आयोजित करने, विद्यार्थियों में खेल व सामान्य ज्ञान की भावना पैदा करने, क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा आयोजित करने तथा खिलाड़ियों की माताओं को सम्मानित करने के लिए जीजाबाई सम्मान प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

स्कूलों में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर चलाने, अधिक से अधिक युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों से जोड़ने तथा स्वस्थ समाज निर्माण की

कनीना। एसडी विद्यालय ककराला में आयोजित दो दिवसीय अधिवेशन में हिस्सा लेते पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

वार्षिक अधिवेशन में ये रहे उपस्थित

दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन में दीपक वत्स, डॉ. उमेश प्रताप, अजमेर सिंह, राकेश खोला, सतीश कुमार, सुरेंद्र मलिक, डॉ. नरेश कुमार, हंसराज चौधरी, डॉ. सुशील त्यागी, राजेश कुमार, बबली देवी, जितेंद्र सिंह, जगदेव, किरण नांदल, जसवीर सिंह, डॉ. उदयवीर पाल, जयसिंह, रमेश, वेदपाल, नितिन भारद्वाज, सुनील भारद्वाज, डॉ. अनीता सिंह, मुकेश, अमित कुमार, सविता पटेल, जुगल किशोर, राजेश कुमार आदि उपस्थित थे।

दिशा में कार्य करने पर भी जोर दिया गया। अधिवेशन में राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर के पदाधिकारियों की उपस्थिति में संगठन का विस्तार करते हुए कार्यकारिणी का गठन किया गया।

कार्यक्रम मिशन बुनियाद से संवर रहा ग्रामीण प्रतिभाओं का भविष्य

शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं, सामाजिक सरोकारों से जुड़ना ही असली सफलता: डीसी

- कैप्टन मनोज कुमार ने मेधावियों और अभिभावकों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि शिक्षा की वास्तविक सार्थकता केवल ऊंचे पदों को प्राप्त करने या प्रतिष्ठित डिग्रियां हासिल करने में नहीं, बल्कि सामाजिक उद्देश्यों के प्रति सजग रहने और नैतिक मूल्यों के निर्वहन में निहित है। डीसी सोमवार को सभागार में आयोजित मिशन बुनियाद के लेवल तीन परीक्षा एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि जब विद्यार्थी आईआईटी व

नारनौल। बच्चों के अभिभावकों को सम्मानित करते डीसी कैप्टन मनोज कुमार।

नीट जैसी कठिन परीक्षाओं को पास कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हों, तो उन्हें अपनी जड़ों और सामाजिक उत्तरदायित्वों को कभी नहीं भूलना चाहिए।

डीसी ने कहा कि एक सच्चा शिक्षित नागरिक वही है जो अपनी सफलता का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास करें। हरियाणा सरकार और विकल्प फाउंडेशन के साझा प्रयासों से संचालित मिशन बुनियाद कार्यक्रम की सराहना करते हुए उपायुक्त ने कहा कि यह मंच ग्रामीण अंचल की छिपी हुई प्रतिभाओं के लिए एक वरदान साबित हो रहा है। उन्होंने उन अभिभावकों को बधाई दी, जिन्होंने अभावों के बावजूद अपने बच्चों को बेहतर माहौल प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने उन मेधावी छात्रों और उनके अभिभावकों को सम्मानित भी किया, जिन्होंने सरकारी स्कूलों में पढ़ते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं में जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि संसाधनों की कमी अब बच्चों के भविष्य के आड़े नहीं आएगी, क्योंकि सरकार डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उन्हें हर संभव सहायता प्रदान कर रही है।

लेवल तीन : परीक्षा में 257 विद्यार्थियों ने भाग लिया

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर ने बताया कि लेवल तीन की इस परीक्षा में जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों के 257 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जो वर्तमान में नौवीं कक्षा में अध्ययनरत हैं। उन्होंने जिले के चार प्रमुख बुनियाद केंद्रों नारनौल, महेंद्रगढ़, अटेली और कनीना के राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालयों की भूमिका पर प्रकाश डाला। जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविंद्र कुमार ने जानकारी दी कि वर्ष 2022 में शुरू हुई इस योजना के तहत प्रदेशभर में हजारों विद्यार्थी निःशुल्क कोचिंग, टैबलेट, वर्दी और परिवहन भत्ते जैसी सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। इस कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समां बांध दिया। इस अवसर पर सफल छात्रों व उनके अभिभावकों ने अपने संघर्षपूर्ण अनुभवों को साझा कर उपस्थित जनसमूह को भावुक व प्रेरित किया। इस मौके पर विकल्प फाउंडेशन के निदेशक प्रदीप संसनवाल, डीपीसी अशोक कुमार सहित शिक्षा विभाग के तमाम वरिष्ठ अधिकारी व खंड शिक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

आमजन की उम्मीदों का सारथी बना समाधान शिविर

नारनौल। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निवारण सुनिश्चित करने की दिशा में समाधान शिविर एक मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। सभी अधिकारी जनसेवा के इस कार्य को इसी प्रकार बरकरार रखें, ताकि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक बिना किसी विलंब के पहुंच सके। डीसी सोमवार को लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुन रहे थे। इस मौके पर 82 नागरिकों ने अपनी शिकायत रखी। एसपी ने पुलिस से संबंधित शिकायतों का निपटान किया।

नांगल कालिया में श्रीमद्भागवत कथा 16 से

नांगल चौधरी। नांगल कालिया में 16 अप्रैल को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया जाएगा। जिसमें समाज को संगठित, शिक्षित और परोपकारी होने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। कमेटी के संयोजक सुबेदार जयसिंह ने बताया कि गांव की धर्मशाला में सुबह आठ बजे कथा का शुभारंभ होगा। हवन में आहूति डालने के बाद 10 बजे आचार्य गोविंद भैया कथा वाचन शुरू करेंगे।

पॉलिटेक्निक में 15 अप्रैल को होगी पीटीएम की बैठक

नारनौल। बाबा खेतानाथ राजकीय पॉलिटेक्निक में विद्यार्थियों की पढ़ाई और प्रगति को लेकर 15 अप्रैल में इस सेमेस्टर की दूसरी अभिभावक-अध्यापक पीटीएम आयोजित की जाएगी। संस्थान प्राचार्य अनिल यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति से अवगत कराना है। बैठक के दौरान अभिभावकों को अपने बच्चों की उपस्थिति, सैशनल टेस्ट के अंक, पिछले सेमेस्टर के परिणाम तथा अन्य शैक्षणिक रिकॉर्ड की जानकारी दी जाएगी।

गुवानी के रोहित का असिस्टेंट कमिश्नर पद पर चयन

मंडी अटेली। गांव गुवानी निवासी रोहित पुत्र सत्यप्रकाश का ऑल इंडिया सीजीएल परीक्षा में 750वीं रैंक हासिल कर असिस्टेंट

कमिश्नर पद पर चयन होने से पूरे गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। रोहित की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। सफलता की खबर मिलते ही ग्रामीणों रिश्तेदारों और परिचितों ने उन्हें बधाइयां देना शुरू कर दिया। वहीं रोहित के दादा दयाराम भी भारतीय सेवा से सेवानिवृत्त हैं जिससे परिवार में पहले से ही सेवा भावना और अनुशासन का वातावरण रहा है। इसी प्रेरणा से रोहित ने कड़ी मेहनत और लगन के साथ यह मुकाम हासिल किया।

विधायक की छापेमारी में नपा कार्यालय की कुर्सियां मिली खाली, भेजेंगी उपायुक्त और सीएम को रिपोर्ट

नपा कार्यालय में महीनों तक समस्याओं का नहीं होता समाधान, आमजन की शिकायतों पर विधायक दफ्तर पहुंचकर कर्मचारियों की कार्यशैली का किया आंकलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। नपा कार्यालय में सचिव की खाली कुर्सी के पास बैठी विधायक मंजू चौधरी।

विधायक मंजू चौधरी ने दोपहर करीब एक बजे नपा कार्यालय में औचक छापेमारी की। इस दौरान कर्मचारियों की कुर्सियां खाली मिलने पर उन्होंने हैरानी जताई। दफ्तर में खाली पड़ी कुर्सियों की फोटो ग्राफी तथा वीडियो बनाने का बाद उन्होंने उपायुक्त और मुख्यमंत्री को भेजकर कार्रवाई की अनुशंसा का अल्टीमेटम दिया है। कहा कि नपा दफ्तरों में महीनों तक लोगों को समाधान नहीं मिलता, जिससे सरकार के समाधान शिविरों की पोल खुल रही है। विधायक ने कहा कि शहर में बिजली कनेक्शन से लेकर भवन निर्माण तक नपा कार्यालय से स्वीकृति लेना अनिवार्य है। सरकार ने 24 घंटे तक सभी समस्याओं का समाधान करने तथा आमजन को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने की हिदायत है। इसके लिए कर्मचारियों को अलग अलग योजनाओं का चार्ज सौंपा गया है, ताकि फाइलों का तत्परता से निपटान हो सके, लेकिन नांगल चौधरी नपा कार्यालय में बीते दो से तीन महीनों से जंगलराज होने की शिकायतें मिल रही थी। अवलोकन करने के लिए दोपहर सचिव के कार्यालय में दबिश दी, लेकिन अधिकारी उपस्थित नहीं मिला। इसके बाद जेई व लेखाकार ब्रांच का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकांश कर्मचारी दफ्तर से नदारद मिले। भवन निरीक्षक रूपेश यादव के साथ दो तीन कर्मचारी उपस्थित मिले। जिनसे अन्य कर्मचारियों की अनुपस्थिति के संदर्भ में पूछताछ की। संतोषजनक जबाब नहीं मिलने पर उन्होंने खाली कुर्सियों की विडियो ग्राफी कराई तथा कर्मचारियों को सूचीबद्ध किया। छापेमार कार्रवाई की भनक लगते ही सैकड़ों लोग नपा कार्यालय में पहुंच गए तथा अपनी विभिन्न समस्याओं से रूबरू कराया। अशोक कुमार, बिरेंद्र सिंह, महेश कुमार, राजेंद्र सिंह ने बताया कि रिहायसी प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेजों के लिए 10 से 15 दिनों से दफ्तर में भटक रहे हैं। विभाग की लचर कार्यशैली के चलते समय और आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

रेगूलर दो व एचकेआरएन का एक कर्मचारी छुट्टी पर थाः सचिव

नपा के सचिव ललित गोयल ने बताया कि कार्यालय में चार रेगूलर तथा 33 एचकेआरएन कर्मचारी नियुक्त हैं। कनिष्ठ अभियंता व योगेंद्र बाबू स्वीकृत अवकाश पर थे। एक कौशल कर्मचारी भी छुट्टी पर था, इसके अलावा अन्य कर्मचारी निर्धारित ड्यूटी पर कार्यालय से बाहर गए हुए थे। उन्होंने बताया कि दफ्तर पर विभिन्न समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निवारण किया जाता है। यथा स्थिति से विधायक को अवगत करवा दिया है। उपायुक्त व मुख्यमंत्री को भेजी जाएगी लापरवाह कर्मचारियों की शिकायत विधायक मंजू चौधरी ने बताया कि नपा कार्यालय में अव्यवस्था होने की शिकायतें लंबे समय से मिल रही थी। इसलिए सोमवार की दोपहर औचक छापेमारी की। जिसमें कर्मचारियों की लापरवाही तथा अव्यवस्था होने की पुष्टि हुई है। विभागीय दफ्तरों में आमजन को किसी भी सूरत में परेशान नहीं होने दूंगी। ड्यूटी समय में खाली कुर्सियों की रिपोर्ट उपायुक्त व मुख्यमंत्री को भेजी जाएंगी। उन्होंने कहा कि शहर में पेयजल व्यवस्था का भी बुरा हाल बना हुआ है।

मार्केट फीस वसूली के लिए मार्केट कमेटी की टीम कर रही छापेमारी

कनीना में भी शुरू नहीं हुई सरसों की सरकारी खरीद, बाजार भाव एमएसपी पर भारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

सतनाली मंडी। अनाज मंडी में निरीक्षण के दौरान निर्देश देते विधायक कंवर सिंह यादव। *फोटो : हरिभूमि*

महेंद्रगढ़। अनाज मंडी में खरीद का जायजा लेते एसडीएम योगेश सैनी।

नई अनाज मंडी में बीती 28 मार्च से शुरू हुई सरसों की खरीद एमएसपी से अधिक दर पर होने से सरकारी स्तर पर नहीं खरीदी गई है। प्राइवेट रेट अधिक होने से खरीद एजेंसी हैफेड के अधिकारी खरीद कार्य का इंतजार कर रहे है। हालांकि खरीद को लेकर मार्केट कमेटी की ओर से सभी तैयारियां मुकम्मल की गई हैं। गेहूं की सरकारी खरीद एक अप्रैल से हो चुकी है। खरीद एजेंसी खाद्य एवं पूर्ति विभाग की ओर से नई मंडी चेलावास में 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीद की जा रही है। रबी फसल खरीद को लेकर इलेक्ट्रॉनिक धर्म कांटे सहित बिजली, पेयजल की व्यवस्था की गई है। गेहूं खरीद एजेंसी अधिकारी प्रवीन कुमार ने बताया कि एक अप्रैल से अब तक 889 किसानों की ओर से 29191 क्विंटल गेहूं की आवक हुई है। जिसमें से 21441 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। 9140 क्विंटल गेहूं का उठान किया जा चुका है।

बता दें कि सरसों की खरीद सरकारी रेट से कहीं अधिक होने पर सरकारी खरीद नहीं हो रही है। जिसे लेकर मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारी एवं मार्केट कमेटी की टीम लगातार छापेमारी कर रही है। मार्केट कमेटी की टीम की ओर से विभिन्न गांवों व गोदामों में छापेमारी कर लाखों रुपये का राजस्व वसूला है। मार्केट कमेटी सचिव अजीत सिंहए मंडी सुपरवाइजर कुलदीप सिंह व ऑक्शन रिकॉर्डर सुरेश कुमार की टीम ने गोयल इंडस्ट्री ऑयल मील पर छापेमारी कर 150 क्विंटल सरसों से 9375 रुपये मार्केट फीस व 2812 रुपये जुर्माने की वसूली की। इसी प्रकार जी ट्रेडिंग मील से 65 क्विंटल, बाबा सतगुरु ऑयल मील से 60 क्विंटल, बालाजी इंटरप्राइजेज से 255 क्विंटल, नवीन से 240 क्विंटल, मंगल ट्रेडिंग कम्पनी से 305 क्विंटल, विनायक इंटरप्राइजेज से 50 क्विंटल, सुनील कुमार से 100 क्विंटल सरसों के अवैध स्टॉक पर कुल 83979 रुपये की मार्केट फीस तथा 23537 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इसके अलावा धनौंदा गोदाम से 40 क्विंटल ग्वार व 200 क्विंटल बाजरा नायरा पंप के पास से 100 क्विंटल ग्वार भी पकड़ा। जिसकी मार्केट फीस व जुर्माना राशि वसूली गई। मार्केट कमेटी के सचिव अजीत सिंह ने कहा कि टीम की ओर से छापामार कार्रवाई जारी रहेगी।

किसानों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है सरकार: कंवर सिंह यादव

सतनाली मंडी। विधायक कंवर सिंह यादव ने सतनाली अनाज मंडी का निरिक्षण खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर उनके साथ मार्केट कमेटी चैयरमैन भागीरथ शेखावत, भाजपा जिला महामंत्री योगेश शास्त्री उपस्थित रहे। विधायक कंवर सिंह यादव ने अधिकारियों से किसानों को दी जा रही सुविधाओं और मंडी प्रबंधन की बारीकी से समीक्षा की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी तरीके से संचालित किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है और उन्हें हर संभव सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। किसानों को ऑनलाइन प्रणाली और सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी दी जाए। जिससे वे अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। इस मौके पर अभिलेखा अमित, संदीप आदि मौजूद रहे।

एसडीएम ने किया महेंद्रगढ़ अनाज मंडी का दौरा व सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए

महेंद्रगढ़। एसडीएम योगेश सैनी ने सोमवार को अनाज मंडी का दौरा कर सरसों व गेहूं की खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण किया। एसडीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार किसानों की उपज निर्धारित मानकों के अनुरूप खरीदी जाए और उनकी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। एसडीएम योगेश सैनी ने खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए कि किसानों को उपज का समय पर भुगतान किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। लिफ्टिंग कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि मंडियों में जगह की कमी न हो और नई फसल की आवक बाधित न हो। खरीद एजेंसियों द्वारा स्टोरेज व्यवस्था को बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जाए, जिससे खरीदी गई उपज का सुरक्षित भंडारण किया जा सके। किसानों की सुविधा के लिए अनाज मंडियों में जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो और सभी कार्य सुचारू रूप से संपन्न किए जाएं। उन्होंने कहा कि भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो और पूरी पारदर्शिता के साथ राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी जाए। जिला प्रशासन खरीद प्रक्रिया को सुचारू रखने के लिए लगातार निगरानी कर रहा है।

किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन सीएम के नाम जेजेपी ने सौंपा ज्ञापन

- लघु सचिवालय में मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते जेजेपी कार्यकर्ता।

जननायक जनता पार्टी के किसान सेल ने जिला प्रधान राजकुमार खातोद के नेतृत्व में किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान बेमौसमी बरसात से खराब हुई फसलों के मुआवजे की मांग प्रमुखता से उठाई। इसके साथ ही किसानों ने फसल की राशि को परिवार पहचान पत्र में न जोड़ने, बारिश से खराब फसल को सरकारी खरीद में शामिल करने और मंडियों में आ रही गेटपास की समस्याओं को तुरंत हल करने की मांग की।

इसके अलावा बायोमैट्रिक सिस्टम को बंद करने और मंडी में फसल रखने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराने की भी मांग रखी। उन्होंने कहा कि मंडी में टीनशेड खाली करवाए जाएं, ताकि किसान अपनी उपज सुरक्षित रख सकें, किसानों के लिए पीने का पानी, खाने की व्यवस्था व छाया की उचित व्यवस्था की जाए। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। इस अवसर पर जिला प्रवक्ता विजय छिलरो ने कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को ओर तेज किया जाएगा। किसानों ने सरकार से मांग की है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तुरंत ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि उन्हें राहत मिल सके। किसान सेल के जिला प्रधान माडूराम व प्रभारी कृष्ण यादव ने सरकार से 50 हजार पर एकड़ मुआवजा की मांग की।

महिलाओं की भागीदारी से सशक्त होगा लोकतंत्र

नारनौल। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री ने नारी शक्ति वंदन अभियान को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा है कि यह अभियान न केवल महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों को सुरक्षित करता है, बल्कि समाज में उनकी गरिमा और आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि केंद्र और राज्य सरकार महिलाओं को राष्ट्र निर्माण में बराबर का भागीदार बनाने के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से विधायी संस्थाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करना इस सदी का सबसे बड़ा सुधार है, जिससे जमीनी स्तर पर नेतृत्व के नए अवसर पैदा होंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आज की महिला हर क्षेत्र में अपनी काबिलियत साबित कर रही है और सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उनके स्वास्थ्य, शिक्षा व स्वावलंबन पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह अभियान भविष्य में आधी आबादी की आवाज को और अधिक बुलंद करेगा तथा नीति निर्धारण की प्रक्रियाओं में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित होगी।

सीजेएम ने लीगल केयर एवं सपोर्ट सेंटर्स का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। निरीक्षण करती सीजेएम नीलम कुमारी। *फोटो : हरिभूमि*

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने विभिन्न गांवों का दौरा कर वहां संचालित लीगल केयर एवं सपोर्ट सेंटर्स का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं और आमजन को दी जा रही कानूनी सहायता की समीक्षा की। सीजेएम नीलम कुमारी ने छिलरो में स्थित महिला संस्कृति केंद्र व खोड के पंचायत घर में चल रहे लीगल केयर एवं सपोर्ट सेंटर्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां रिकॉर्ड की जांच की और पैरा लीगल वॉलंटियर्स को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा समाज के कमजोर वर्गों व जरूरतमंदों को समय पर निःशुल्क कानूनी सहायता सुनिश्चित करना है। सीजेएम ने केंद्रों पर आने वाले आगंतुकों और उनकी शिकायतों के लिए बनाए गए रजिस्टर को अपडेट रखने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें बताया कि यदि किसी व्यक्ति को न्याय पाने में आर्थिक या अन्य किसी कारण से परेशानी हो रही है, तो वह सीधे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नारनौल कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

ड्राइवर का बेटा बना कस्टम इंस्पेक्टर

नारनौल। गांव पवेरा निवासी अंकित चौधरी ने एसएससी सीजीएल परीक्षा उत्तीर्ण की है, जिस पर उसे कस्टम विभाग में इंस्पेक्टर पद पर चयन प्राप्त करने का मौका मिला है। उनकी इस

उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है। अंकित चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय विशेष रूप से अपने नाना जयराम लांबा (निवासी ढाणा, राजस्थान) को दिया। उन्होंने बताया कि नाना का मार्गदर्शन और प्रेरणा उनकी सफलता का सबसे बड़ा आधार रहा। साथ ही उन्होंने अपने पिता सरजीत और माता सरोज देवी का भी आभार व्यक्त किया। बता दें कि अंकित के पिता पेशे से ड्राइवर हैं, जिन्होंने कड़ी मेहनत कर उनका पालन-पोषण किया।

अटेली में ट्रैफिक पुलिस की सख्ती, तेज रफ्तार और पटाखा बुलेट पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अटेली

मंडी अटेली। तेज रफ्तार से बुलेट चलाने वालों के चालान करते हुए ट्रैफिक इंचार्ज। *फोटो : हरिभूमि*

अटेली में ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए जिला ट्रैफिक इंचार्ज नरेश कुमार के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान अटेली के नए एवं पुराने बस स्टैंड पर वाहनों की सघन जांच की गई और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान किए गए इस अभियान के दौरान बिना हेलमेट, शबिना कागजात और अन्य ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की गईइस अभियान की खास बात यह रही कि तेज रफ्तार और पटाखा आवाज निकालने वाली बुलेट मोटरसाइकिलों पर विशेष ध्यान दिया गया। अटेली महाविद्यालय के आसपास आए दिन इस तरह की शिकायतें सामने आ रही थी, जहां कुछ युवक तेज गति से बाइक दौड़ाते हुए पटाखा जैसी आवाज निकालकर आम लोगों को परेशान करते थे। जिला ट्रैफिक इंचार्ज नरेश कुमार ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ऐसे बाइक चालकों को मौके पर ही रुकवाया और उनके चालान काटे। इसके साथ ही वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। उन्हें बताया गया कि तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना दुर्घटनाओं को न्योता देता है और इससे उनकी जान के साथ-साथ अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। इस मौके पर जिला ट्रैफिक इंचार्ज नरेश कुमार ने बताया कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है और आमजन का सहयोग इसमें अत्यंत आवश्यक है।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने सुंदर चौधरी

नांगल चौधरी। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय प्रधान हरीशचंद्र भाटी की अध्यक्षता में कार्यकारिणी की बैठक हुई। जिसमें समाज में फैली नशाखोरी, दहेज प्रथा तथा अन्य कुरीतियों को मिटाने पर विचार विमर्श किया गया। इसके बाद भेडंटी निवासी सुंदर चौधरी को सर्वसम्मति से गुर्जर महासभा में युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। जिससे उत्साहित ग्रामीणों ने नवनियुक्त प्रधान का अभिनंदन करने का निर्णय लिया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

गांव के नाम से स्थापित होंगे लाइफटाइम अचीवमेंट व एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी अवार्ड

अभिनेता स्व. सतीश कौशिक की जयंती पर पैतृक गांव में हुआ स्मृति समारोह

- राजेन्द्र सिंह नम्बरदार ने स्व. सतीश कौशिक बचपन के किस्से सुनाए व कहा की वे जमीन जुड़े हुए व्यक्ति थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। स्व. सतीश कौशिक को नमन करते नेताजी अतरलाल व अन्य।

मशहूर अभिनेता, फिल्म निर्माता, निर्देशक व पटकथा लेखक स्वर्गीय सतीश कौशिक की जयंती पर उनके पैतृक गांव धनौन्दा में स्मृति समारोह आयोजित कर उन्हें याद किया गया। अभिनेता सतीश कौशिक चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित समारोह में आसपास के ग्रामीणों व उनके प्रशंसकों ने उन्हें याद कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता उनके बचपन के सहपाठी राजेन्द्र सिंह नम्बरदार ने की। प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने सतीश कौशिक के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित स्वर्गीय सतीश कौशिक के अनेक प्रशंसकों व ग्रामीणों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। नेताजी अतरलाल ने कहा कि सतीश कौशिक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त एक ऐसे हरफनमौला कलाकार थे, जिन्होंने अभिनय, पटकथा लेखन, निर्देशन व सिनेमा के हर क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी।

उन्हें एक साथ कई भूमिकाएं निभाने की महारत हासिल थी। राजेन्द्र सिंह नम्बरदार ने उनके बचपन के किस्से सुनाते हुए कहा कि वे अपने गांव, अपने साथियों तथा गांव की परंपराओं से प्यार करते थे। वे अंतिम समय तक अपने गांव से जुड़े रहे। उन्होंने हरियाणा सरकार से कहकर गांव में बड़ा खेल स्टेडियम बनवाया तथा गांव के पुराने ठाकुर जी मंदिर के जीर्णोद्धार में सहयोग दिया। कैलाश सेठ ने सतीश कौशिक को याद करते हुए कहा कि वे ऊंचाइयों पर पहुंचकर भी जमीन से जुड़े हुए इंसान थे। विभिन्न मंचों पर गर्व से खुद को महेन्द्रगढ़ जिला के धनौन्दा गांव का मूल निवासी बताते थे।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने उनके नाम पर अभिनेता सतीश कौशिक लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड व अभिनेता सतीश कौशिक एक्स्ट्राऑर्डिनरी अवार्ड स्थापित तथा शुरू करने का निर्णय लिया, जो अगले साल से शिक्षा, संस्कृति, साहित्य, कला व सिनेमा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर राजेन्द्र सिंह नम्बरदार, देवेन्द्र नम्बरदार अगिहार, भूपेन्द्र सिंह, डॉ. मुकेश, ओमप्रकाश यादव, राकेश यादव, कैलाश सेठ, कृष्ण सिंह फोरमैन, धीरज, जसमेर, मीरसिंह वैद्य, पवन प्रजापत, प्रोफेसर नवीन जांगड़ा, परमजीत कौशिक, सुभाशचंद यादव आदि उपस्थित थे।